ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी

दिनांक—01/09/2020   कृतिका(रीढ़ की हड्डी)

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>रीढ़ की हड्डी</u>

--जगदीश चन्द्र माथुर

(सन् 1917-1978)

(प्याला पकड़ाते हैं।)

शंकर : (खँखारकर) सुना है, सरकार अब ज्यादा चीनी लेने वालों पर 'टैक्स' लगाएगी।

गो. प्रसाद :, (चाय पीते हुए) हूँ। सरकार जो चाहे सो कर ले, पर अगर आमदनी करनी है तो सरकार को बस एक ही टैक्स लगाना चाहिए।

रामस्वरूप : (शंकर को प्याला पकड़ाते हुए) वह क्या?

गो.प्रसाद : खूबसूरती पर टैक्स! (रामस्वरूप और शंकर हंस पड़ते हैं) मजाक नहीं साहब, यह ऐसा टैक्स है जनाब कि देने वाले चूँ भी न करेंगे। बस शर्त यह है कि हर एक औरत पर यह छोड़ दिया जाए कि वह अपनी खूबसूरती के

'स्टैंडर्ड' के माफ़िक अपने ऊपर टैक्स तय कर ले। फिर देखिए, सरकार की कैसी आमदनी बढ़ती है कैसी आमदनी बढ़ती है।

रामस्वरूप : (जोर से हँसते हुए) वाह- वाह! खूब सोचा आपने! वाकई आजकल यह खूबसूरती का सवाल भी बेढब हो गया है। हमलोगों के जमाने में तो यह कभी उठता भी न था।(तश्तरी गोपाल प्रसाद की तरफ बढ़ाते हैं) लीजिये।

गो.प्रसाद : (समोसा उठाते हुए) कभी नहीं साहब, कभी नहीं।

रामस्वरूप : (शंकर की तरफ़ मुखातिब होकर) आपका क्या खयाल है शंकर बाबू ?

शंकर : किस मामले में?

रामस्वरूप : यही कि शादी तय करने में खूबसूरती का हिस्सा कितना होना चाहिए।

गो. प्रसाद : (बीच में ही) यह बात दूसरी है बाबू रामस्वरूप,मैंने आपसे पहले भी कहा था,लड़की का खूबसूरत होना निहायत जरूरी है।कैसे भी हो चाहे पाउडर वगैरह लगाए,चाहे वैसे ही । बात यह है कि हम आप मान भी जाएँ मगर घर की औरतें तो राजी नहीं होतीं। आपकी लड़की तो ठीक है।

क्रमशः

<u>छात्र कार्य-दी गई पाठ्य सामग्री का शुद्ध-शुद्ध वाचन करें ।</u>

<u>धन्यवाद</u>

<u>कुमारी पिंकी "कुसुम"</u>